



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूर और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 'इंडि' गठबंधन जल्द ही टूट जाएगा, इसका कारण राहुल गांधी होंगे : भाजपा

6 सियासत का नया व्याकरण लिखता जनादेश-2026

7 रश्मिका मंदाना ने पूरा किया फिल्म 'माइसा' का लंबा शेड्यूल



चुनावी खबर

वंदे मातरम के अपमान को दंडनीय अपराध बनाने के लिए कैबिनेट की मंजूरी नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय वंदे मातरम के गायन में किसी भी प्रकार की बाधा डालने को दंडनीय अपराध बनाने के लिए 'राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971' में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इससे वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन के समान वैधानिक सुरक्षा मिल जाएगी। वर्तमान कानून में राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान को किसी भी प्रकार के अपमान से सुरक्षा प्राप्त है। कानून के अनुसार, राष्ट्रध्वज या संविधान को जलाने, फाड़ने, अपवित्र करने, रौंदने या राष्ट्रगान के दौरान जानबूझकर बाधा डालने पर तीन साल तक की जेल की सजा सुनाई जा सकती है और जुर्माना भी लगाया जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि संसद की मंजूरी के बाद संशोधन लागू होने पर वंदे मातरम के गायन में जानबूझकर बाधा डालना भी अपराध होगा।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com



कैलाश मण्डेला, मो. 982823434

चुनावी परचम

ममता की क्षमता क्षीण हुई, तृण पुनः मूक के संग मिले। केरल से बिछड़ा वाम पंथ, उम्मीदों के अब हाथ हिले। विजयन के तगड़े घोड़ों ने, तामिल में कर दिए ध्वस्त किले। पांडीचेरी, आसाम सहित, बंगाल ताल में कमल खिले।

वियतनाम भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति का अहम हिस्सा : राष्ट्रपति मुर्मू



दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि वियतनाम, भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है और नई दिल्ली उसके साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी तरीके से व्यापार को विस्तार देने के लिए इच्छुक है। मुर्मू ने यह भी कहा कि रक्षा और सुरक्षा भारत-वियतनाम द्विपक्षीय संबंधों के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। राष्ट्रपति ने साझा चुनौतियों से निपटने तथा क्षेत्रीय शांति और

स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए वियतनाम के साथ मिलकर काम करने की भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम का राष्ट्रपति भवन में स्वागत किया, जो पहली राजकीय यात्रा पर भारत आए हैं। इस अवसर पर उन्होंने उनके सम्मान में भोज भी आयोजित किया। राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले दशक में दोनों देशों के द्विपक्षीय व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और भारत संतुलित तथा पारस्परिक रूप से लाभकारी तरीके से इसे और बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।



भारत, वियतनाम ने अपने संबंधों को बढ़ाकर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाया

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम के बीच हुई वार्ता के बाद बुधवार को भारत और वियतनाम ने अपने संबंधों को बढ़ाकर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाने का निर्णय लिया और 2030 तक 25 अरब डॉलर के वार्षिक व्यापार का लक्ष्य तय किया। दोनों प्रधानमंत्रियों ने भूराजनीतिक उतार-चढ़ाव के

बीच व्यापार, रक्षा और दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया। मोदी-लाम की मुलाकात के बाद दोनों पक्षों ने 13 समझौतों पर हस्ताक्षर किए जो डिजिटल भुगतान, दुर्लभ खनिजों, फार्मास्युटिकल्स, शिक्षा, बैंकिंग और संस्कृति समेत विभिन्न क्षेत्रों में गहन दोतरफा साझेदारी का मार्ग खोलेंगे।

कांग्रेस के समर्थन से विजय ने सरकार बनाने का दावा पेश किया

तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अलैंकर ने अभी निर्णय नहीं लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलना वेत्री कथम (टीवीके) प्रमुख विजय ने बुधवार को तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अलैंकर से मुलाकात की और राज्य में सरकार बनाने का दावा पेश किया। कांग्रेस ने एक बड़े राजनीतिक बदलाव और नए गठजोड़ के तहत अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी को समर्थन देने की घोषणा की और चुनाव पूर्व सहयोगी द्रविड़ मुनेत्र कथम (द्रमुक) से संबंध तोड़ दिए। द्रमुक और अन्नाद्रमुक के दशकों पुराने द्विध्वीय वर्चस्व को तोड़ते हुए टीवीके के सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने के दो दिन बाद राज्यपाल कार्यालय से निर्माण मिलने पर टीवीके प्रमुख ने लोक भवन में अलैंकर से मुलाकात की और उन्हें समर्थन देने वाले कांग्रेस विधायकों की सूची सौंपी। हालांकि, लोक भवन के सूत्रों ने संकेत दिया कि विजय को



राज्यपाल अलैंकर विजय के पास समर्थन होने के दावे से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे।

सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने और शपथ ग्रहण समारोह आयोजित करने के संबंध में अभी तक कोई औपचारिक निर्णय नहीं लिया गया है, जिससे संकेत मिलता है कि राज्यपाल अलैंकर विजय के तुरंत टीवीके नेता विजय को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करना चाहिए। टीवीके ने 234 सदस्यीय विधानसभा में से 108 सीटें जीतीं, जो सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत के आंकड़े से 10 कम है।

स्थान विधानसभा है। लोक भवन में बहुमत साबित करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, "भाजपा को तुरंत लोक भवन के माध्यम से राजनीति करना बंद करना चाहिए। राज्यपाल को तुरंत टीवीके नेता विजय को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करना चाहिए।"

भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक की गोली मारकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक की बुधवार रात कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके में अज्ञात हमलावरों ने गोली मार कर हत्या कर दी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणाम आने के कुछ ही



घंटे के भीतर हुई इस घटना पर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रियाएं आई हैं और क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। सूत्रों ने बताया कि यह घटना उत्तरी 24 परगना जिले

में मध्यमग्राम क्षेत्र के दोहरिया में हुई, जहां शुभेंदु अधिकारी के सहायक चंद्रनाथ रथ पर हमला किया गया। बाइक पर सवार लोगों ने उन्हें करीब से गोली मार दी।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हमलावरों ने रथ की कार का पीछा किया, उसे रोका और उन पर गोली चला दी। हमला करने के तुरंत बाद हमलावर फरार हो गए। रथ ज़ख्मि के बगल में आगे की सीट पर बैठे थे।

पंजाब में सुरक्षा प्रतिष्ठानों के पास सिलसिलेवार हुए दो विस्फोट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब में सुरक्षा प्रतिष्ठानों के पास मंगलवार रात सिलसिलेवार हुए दो विस्फोट ने पूरे राज्य को दहला दिया और विपक्षी दलों ने इसकी निंदा करते हुए इसे राज्य को 'अस्थिर' करने का प्रयास करार दिया। पुलिस ने बताया कि पहला



विस्फोट जालंधर में रात करीब आठ बजे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ)

के पंजाब फ्रंटियर के मुख्यालय के बाहर हुआ, जबकि दूसरा धमाका

रात करीब 11 बजे अमृतसर के खासा में सैन्य छावनी के पास हुआ। इन विस्फोट में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। विस्फोट की दोनों घटनाओं की जांच की जा रही है। अमृतसर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (देहात) सुहैल मीर कासिम ने बताया कि पुलिस को रात करीब 11 बजे खासा की एक सड़क पर तेज आवाज में धमाके की सूचना मिली।

मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा न देने पर अड़ी ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बड़ी जीत के बावजूद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार करने के एक दिन बाद बुधवार को ममता बनर्जी ने अपना राजनीतिक रुख और सख्त कर लिया। बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने उनके इस फैसले को विधानसभा चुनाव परिणामों में कथित हेरफेर के खिलाफ प्रतीकात्मक विरोध बताया और आने वाले समय में लंबी राजनीतिक व कानूनी लड़ाई के संकेत दिए।



ममता बनर्जी ने अपने कालीघाट आवास पर नवनिर्वाचित तृणमूल विधायकों और वरिष्ठ नेताओं की बैठक में कथित तौर पर कहा कि भाजपा ने चुनाव लूट लिया। उन्होंने कहा कि पार्टी मतगणना के दौरान बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप लगाते हुए उद्यतम न्यायालय का रुख करेगी। इस बैठक में अभिषेक बनर्जी और अन्य वरिष्ठ नेता भी शामिल थे।

होर्मुज जलडमरूमध्य न खोला गया तो ईरान पर और बमबारी होगी : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वॉशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य न खोलने की स्थिति में ईरान पर और ज्यादा बमबारी करने की बुधवार को चेतावनी दी। इस बीच, युद्ध खत्म करने के लिए दोनों पक्षों के समझौते के करीब पहुंचने की खबर भी सामने आई है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान के साथ युद्ध जल्द ही खत्म हो सकता है और तेल व प्राकृतिक गैस की आपूर्ति दोबारा शुरू हो सकती है। हालांकि उन्होंने कहा कि यह सबकुछ इस बात पर निर्भर



करता है कि ईरान एक प्रस्तावित समझौते को स्वीकार कर ले। ट्रंप ने समझौते के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। ट्रंप ने कहा, अगर वह सहमति नहीं जाता है, तो बमबारी शुरू होगी। इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने मुलाकात के बाद चीन के ईरान युद्ध में समग्र संघर्ष विराम की अपील की।

OPENS TOMORROW

THE ULTIMATE
SUMMER FASHION

HI LIFE
EXHIBITION

Fashion | Style | Decor | Luxury

OVER 250+ TOP LABELS

8.9.10
MAY

THE LaLiT
ASHOK BANGALORE

10 am - 8 pm | Valet Parking | Entry fee Rs.100

दक्षिण पश्चिम रेलवे

लिखिए
सफर की कहानी-शब्दों की जुबानी
जीतिए

रेल यात्रा वृत्तांत
पुरस्कार-2026

भारत की रेल यात्रा सिर्फ एक सफर नहीं, बल्कि अनुभवों, भावनाओं और कहानियों का संगम है। अपने यादगार रेल सफर को हिन्दी शब्दों में ढालिए और रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार-2026 का हिस्सा बनिए

आयोजक: रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

01 प्रथम पुरस्कार (एक)
₹ 10,000/- + प्रमाण पत्र

02 द्वितीय पुरस्कार (एक)
₹ 8,000/- + प्रमाण पत्र

03 तृतीय पुरस्कार (एक)
₹ 6,000/- + प्रमाण पत्र

04 सांत्वना पुरस्कार (पांच)
₹ 4,000/- + प्रमाण पत्र

यात्रा वृत्तांत / प्रविष्टियां जमा करने की अंतिम तिथि: 31 जुलाई 2026

यात्रा वृत्तांत / प्रविष्टियां भेजने का पता: सहायक निदेशक, हिंदी (प्रशिक्षण), कमरा नं. 316, कॉफमो रेल कार्यालय परिसर, तिलक ब्रिज, आईटीओ, नई दिल्ली-110001

रेल यात्रा वृत्तांत जमा करने के लिए दिशा-निर्देश

- यात्रा वृत्तांत मौलिक होना चाहिए, हिंदी में लिखा होना चाहिए और 3,000 से 3,500 शब्दों के बीच होना चाहिए। कृपया कुल शब्द संख्या का उल्लेख करें।
- यात्रा वृत्तांत डबल स्पेस में टाइप किया जाना चाहिए और सभी तरफ कम से कम एक इंच का मार्जिन होना चाहिए। पृष्ठों पर क्रमांक होना चाहिए।
- प्रतिभागियों को यात्रा वृत्तांत के आरंभ में एक अलग कागज पर "रेल यात्रा वृत्तांत - 2026" शीर्षक के अंतर्गत अपना नाम, पदनाम, आयु, कार्यालय/आवास का पता, मातृभाषा, मोबाइल नंबर, ई-मेल, शब्द गणना तथा यात्रा वृत्तांत का शीर्षक साफ अक्षरों में लिखना चाहिए।
- केंद्र/राज्य सरकार के कर्मचारियों को यह घोषणा करनी होगी कि कोई सतर्कता, अनुशासनात्मक या अपील का मामला लंबित या विचारार्थ नहीं है।
- गैर-सरकारी प्रतिभागियों को यह घोषणा करनी होगी कि कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है तथा वे कोई सजा नहीं पा रहे हैं।
- सभी प्रतिभागियों को यह घोषणा करनी होगी "संबंधित रेल यात्रा वृत्तांत में मौलिक रचना है। इसे किसी अन्य पुरस्कार योजना के अंतर्गत पुरस्कृत नहीं किया गया है।"
- सभी प्रतिभागी यात्रा वृत्तांत की दो प्रतियां जमा करें, प्रविष्टि की एक प्रति प्राप्त होने पर प्रविष्टि अस्वीकृत कर दी जाएगी।
- अंतिम तिथि के बाद प्राप्त प्रविष्टियों पर मंत्रालय द्वारा विचार नहीं किया जाएगा।
- पुरस्कार प्रदान करने के संबंध में रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) का निर्णय अंतिम होगा तथा ऐसे निर्णय के विरुद्ध कोई अपील स्वीकार्य नहीं होगी।

www.swr.indianrailways.gov.in | South Western Railways-SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHO | sw-railways



उप मुख्यमंत्री ने किया ग्राम रथ का पूजन और प्रचार साहित्य का वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि ग्राम रथ सरकार की योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने का अत्यंत प्रभावी माध्यम बनकर उभरे हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि इस पहल से आमजन को योजनाओं की स्पष्ट और सरल जानकारी मिल रही है, जिससे पात्र लाभार्थियों तक समय पर लाभ पहुंचना सुनिश्चित हो रहा है और

जागरूकता का स्तर निरंतर बढ़ रहा है। राजसमंद प्रवास के दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत राज्यावास में आयोजित ग्राम रथ कार्यक्रम में भाग लेते हुए ग्रामीणों से सीधे संवाद किया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अवसर पर सांसद महिमा कुमारी मेवाड़, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेक्षरी, नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़, जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री ने ग्राम रथ के माध्यम से प्रदर्शित की जा रही योजनाओं और सरकार की उपलब्धियों की जानकारी साझा करते हुए कहा कि सरकार की प्राथमिकता यह है कि हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और कोई भी वंचित न रहे। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे योजनाओं की जानकारी लेकर उनका अधिकतम लाभ उठाएं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विभाग द्वारा तैयार प्रचार सामग्री,

पुस्तिकाएं एवं ब्रोशर का वितरण किया तथा ग्रामीणों से फीडबैक भी लिया। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रशासन और आमजन के बीच मजबूत संवाद का माध्यम बन रहा है, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जनसहभागिता दोनों को बढ़ावा मिल रहा है। कार्यक्रम में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बृजमोहन बेरवा, प्रोटोकॉल अधिकारी बृजेश गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।



गरीब, किसान, महिला, युवा एवं वंचित वर्गों के सशक्तिकरण हेतु सरकार प्रतिबद्ध : उपमुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को राजसमंद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सांगठकला में आयोजित भव्य समारोह में 67 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खडल इंजन सरकार के प्रयासों से प्रदेश के साथ-साथ राजसमंद में भी विकास कार्यों को गति मिली है।

दिया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार हर वर्ग के समग्र कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि गरीब, किसान, महिला, युवा एवं वंचित वर्गों के सशक्तिकरण हेतु विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावी रूप से लागू की जा रही हैं, जिससे आमजन के जीवन स्तर में निरंतर

सुधार हो रहा है। समारोह में सांसद श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार प्रत्येक व्यक्ति के समग्र कल्याण को ध्यान में रखते हुए निरंतर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे और समाज के सभी वर्गों को समान अवसर प्राप्त हो सके। विधायक श्रीमती दीप्ति माहेक्षरी ने कहा कि खडल इंजन की सरकार का लक्ष्य केवल विकास कार्यों का विस्तार करना ही नहीं, बल्कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण करना भी है। इस अवसर पर कुंभलगढ विधायक सुरेन्द्र सिंह राठौड़, राजसमंद जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सांगठकला से सहाडा गंगापुर वाया साकरोडा, सुन्दरचा, तासोल, खटामला एवं बिनोल तक 28.90 किलोमीटर लंबाई के सुदृढीकरण एवं चौड़ाईकरण कार्य रहा, जिसकी लागत 47.96 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त पुवाल में 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवीन पंचायत भवन का उद्घाटन भी किया गया।

पानी की टंकी में डूबने से दो बच्चियों की मौत

जयपुर। जयपुर के शिप्राग्रथ थाना क्षेत्र में मंगलवार देर शाम दो मासूम बच्चियों की पानी के टंकी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना जगन्नाथपुरी इलाके में हुई, जहां बच्चियां अपने किराए के मकान के पास बने एक अर्द्धनिर्मित घर के पानी से भरे टैंक में खेलते समय गिर गईं। थाना प्रभारी महेंद्र यादव ने बताया कि दोनों बच्चियां शाम को खेलने निकली थीं और जब वे देर रात तक घर नहीं लौटीं तो परिजनो ने आसपास तलाश शुरू की। यादव के अनुसार खोजबीन के दौरान बच्चियों की चप्पलें निर्माणाधीन मकान की टंकी के पास मिलीं और जब परिजनो ने टंकी में देखा तो दोनों वहां मिलीं। उन्होंने बताया कि बच्चियों को तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल के मुदघर में रखवाया गया है।

भाजपा सरकार के दावों की पोल खोल रहे हैं उसके ही विधायक : अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि उसके खुद के ही विधायक सरकारी दावों की पोल खोल रहे हैं। गहलोत ने आंगनबाड़ी के पोषाहार की खराब गुणवत्ता को लेकर भाजपा के एक विधायक की कतिपय टिप्पणी के हवाले से यह बात कही। उन्होंने कहा, राजस्थान की भाजपा सरकार में क्या चल रहा है? खुद सत्ताधारी दल के विधायक ही आज सरकार के दावों की पोल खोल रहे हैं। गहलोत के अनुसार, उदयपुर की समीक्षा बैठक में गोटुवा से भाजपा विधायक प्रताप गमेती का यह कथन बेहद विचलित करने वाला है कि 'आंगनबाड़ी के पोषाहार को जानवर भी नहीं खाते'।

40 हजार रुपये की रिश्तत लेते पटवारी गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की भिवाड़ी इकाई ने बुधवार को कोटपूतली बहरोड के पटवारी प्रमोद सामरिया को कथित तौर पर 40 हजार रुपये की रिश्तत लेते समय रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एसीबी महानिदेशक गोविन्द गुप्ता के अनुसार, परिवारी ने अपनी शिकायत में कहा कि उसके पिता की पैतृक जमीन के बंटवारे का मामला एसडीएम अदालत में पांच-छह वर्ष से विचाराधीन था।

अदालत ने 20 जून 2025 को निर्णय देते हुए पटवारी को रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए थे, लेकिन आरोपी पटवारी रिपोर्ट पेश नहीं कर रहा था और इसके एवज में एक लाख रुपये रिश्तत की मांग कर रहा था।

दिल्ली पुलिस ने 'सेक्सटॉर्शन' गिरोह के सरगना को राजस्थान से गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। दिल्ली पुलिस ने 21 वर्षीय एक युवक को फर्जी वीडियो कॉल और ब्लैकमेल कर उससे 2.52 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में राजस्थान के मेवात क्षेत्र से एक 'सेक्सटॉर्शन' गिरोह के कथित सरगना को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी बुधवार को एक अधिकारी ने दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान 25 वर्षीय अब्बास खान के रूप में हुई है, जो राजस्थान के अलवर जिले का निवासी है। वह सेक्सटॉर्शन और धोखाधड़ी के कई मामलों में शामिल रहा है तथा साइबर अपराध नेटवर्क में सरगना के रूप में काम करता था।

इसने कहा कि यह मामला तब सामने आया जब दिल्ली के एक निवासी ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई कि एक महिला से 'फ्रेंड रिश्तेस्ट' मिलने के बाद उससे उगाही की गई। पुलिस के अनुसार, बैठ के दौरान शिकायतकर्ता ने अपना मोबाइल नंबर साझा किया, जिसके बाद उसे एक वीडियो कॉल आया, जिसमें अश्लील सामग्री दिखाई गई। फोन कटते ही उसे धमकियां मिलने लगीं कि उसका वीडियो बना लिया गया है और यदि उसने पैसे नहीं दिए तो इसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जाएगा। इसने बताया कि बदनामी के डर से पीड़ित ने कई किस्तों में कुल 2.52 लाख रुपये हस्तांतरित कर दिए। शिकायत के आधार पर 12 जनवरी को प्राथमिकी दर्ज की गई और जांच शुरू की गई। पुलिस

ने बताया कि सोशल मीडिया खातों, प्रोफाइल, डिजिटल फुटप्रिंट और बैंक लेन-देन के विश्लेषण से पता चला कि इस धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए फर्जी पहचान और 'यूट्यू' बैंक खातों का इस्तेमाल किया गया। इसने कहा कि जांच के दौरान पुलिस टीम मेवात क्षेत्र तक पहुंची, और स्थानीय पुलिस की मदद से अलवर के एक गांव में छापेमारी की गई, जहां से खान को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि पीड़ितों को फंसाने के लिए महिलाओं के नाम से फर्जी प्रोफाइल बनाए जाते थे और 'स्क्रीन-रिकॉर्डेड वीडियो' कॉल के जरिए उन्हें ब्लैकमेल किया जाता था। गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान के लिए जांच जारी है।



मुख्य सचिव श्रीनिवास से भारत में यूनिसेफ की प्रतिनिधि सिंधिया मैककैफ्रे ने की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बुधवार को शासन सचिवालय में आयोजित बैठक में भारत में यूनिसेफ की प्रतिनिधि सिंधिया मैककैफ्रे से प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं, महिला एवं बाल विकास, पोषण, शिक्षा तथा बाल अधिकार संरक्षण से जुड़े विषयों पर चर्चा की। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की विकसित राजस्थान की संकल्पना को साकार करने की दिशा में प्रत्येक क्षेत्र में प्रभावी रूप से कार्य कर रही है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से प्रदेश में स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी अभियान व्यापक स्तर पर संचालित किए जा रहे हैं। राज्य में संचालित मा

योजना(मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना) से प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ हुई हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा राजेश यादव ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में यूनिसेफ के सहयोग से नवाचार किये जा रहे हैं। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश में बहुभाषीय शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में भी प्रभावी कार्य किया जा रहा है। अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा कुलदीप रांका ने कहा कि यूनिसेफ के तकनीकी सहयोग से संचालित युवा सेतु कार्यक्रम युवाओं के लिए अवसरों का सशक्त माध्यम बन रहा है। कार्यक्रम के तहत युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकास एवं कौशल संवर्धन को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती

गायत्री राठौड़ ने कहा कि यूनिसेफ के सहयोग से संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं नवाचार आधारित गतिविधियों के परिणामस्वरूप मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। प्रदेश में पूर्ण टीकाकरण अभियान को प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ताओं एवं एएनएम को प्रदान किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से उनकी तकनीकी दक्षता एवं कार्यकुशलता में वृद्धि हुई है। शासन सचिव, महिला एवं बाल विकास श्रीमती पूनम ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में बच्चों की ग्रोथ मॉनिटरिंग एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यूनिसेफ के सहयोग से आशा कार्यकर्ताओं को ग्रोथ मॉनिटरिंग तथा डेटा वैलिडेशन संबंधी प्रशिक्षण को और अधिक मजबूत

किया जाएगा। सिंधिया मैककैफ्रे ने कहा कि यूनिसेफ की आगामी वर्ष 2026-29 की कार्ययोजना के अंतर्गत यूनिसेफ नीति निर्माण, तकनीकी सहयोग एवं मार्गदर्शन के क्षेत्र में अपनी भूमिका को और अधिक सशक्त करेगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा को मजबूत बनाने एवं महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने की दिशा में विशेष प्रयास किए जाएंगे। एआई जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग से विकास के प्रमुख क्षेत्रों में मौजूद चुनौतियों को दूर कर विकसित राजस्थान के लक्ष्य को गति दी जाएगी। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता दिनेश कुमार, मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉ.जोगाराम व अन्य सम्बंधित वरिष्ठ अधिकारी एवं यूनिसेफ के प्रतिनिधि मौजूद रहे।



कृषि क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा ग्राम -2026 : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री तथा चूरु जिला प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने मंगलवार को जिले के रतनगढ विधानसभा क्षेत्र के बुधवाली में सांध्य चौपाल में आमजन के अभाव अभियोग सुने तथा ग्राम रथ अभियान कार्यक्रम में शिरकत कर ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने योजनाओं की जानकारी देते हुए आमजन से ग्लोबल राजस्थान एपीटेक मीट (ग्राम)- 2026 में अधिकतम भागीदारी निभाने की अपील की। इस अवसर गहलोत ने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित योजनाएं समाज के कमजोर, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। छात्रवृत्ति, पेंशन, स्वरोजगार एवं विभिन्न सहायता योजनाओं के माध्यम से सरकार हर वर्ग को आगे

बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि खडल इंजन सरकार ने राजस्थान को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने का संकल्प लिया है। आज राजस्थान के 24 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्धता कराई जा रही है। हमारी सरकार ने शेखावाटी क्षेत्र में यमुना जल समझौते के माध्यम से मीठा पेयजल उपलब्ध करवाये के लिए संकल्पित प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान अंतर्गत परम्परागत जल स्रोतों को सुदृढ़ करने का काम किया जा रहा है। इसी के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में दीदी जीरामजी योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार अवसरों को सुदृढ़ करने व जनोपयोगी कार्य करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने सौर ऊर्जा क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। इसी के साथ करीब 350 परीक्षाएं बिना पेपरलीक संपन्न हुई हैं और युवाओं का भविष्य सुरक्षित हुआ है। इस दौरान उन्होंने आमजन

के परिवाद सुनें और अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसलिए विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन का विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। आमजन को चाहिए कि वे ग्राम रथ से योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें और पात्रता के अनुसार आवेदन कर लाभ लें। उन्होंने युवाओं, किसानों एवं महिलाओं को विशेष रूप से प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ें और सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ लें। इसी के साथ ग्राम रथ में रखी सुझाव पेटिका में राजस्थान को विकसित प्रदेश बनाने के लिए अपने सुझाव भी दें।



राजसमंद के राज्यावास में उपमुख्यमंत्री की रात्रि चौपाल

जयपुर/दक्षिण भारत। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजसमंद जिले की ग्राम पंचायत राज्यावास में आयोजित रात्रि चौपाल में सहभागिता कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित समाधान के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे और उन्होंने अपनी विभिन्न समस्याएं एवं सुझाव उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखे। उप मुख्यमंत्री ने चौपाल के दौरान एक-एक समस्या को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशील है और प्रशासन को जवाबदेह बनाते हुए प्रत्येक व्यक्ति को राहत पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में चल रही विकास योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और आमजन को योजनाओं का अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर सांसद महिमा कुमारी मेवाड़, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेक्षरी, जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा, विकास अधिकारी भवानी शंकर सहित कई जनप्रतिनिधि-अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान में बारिश की गतिविधियां कम होने का अनुमान

जयपुर। राजस्थान में आने वाले दिनों में आंधी बारिश की गतिविधियां में कमी आने व तापमान बढ़ने का अनुमान है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, राज्य के अधिकतर भागों में आगामी दिनों में आंधी बारिश की गतिविधियां में कमी होने होगी। हालांकि राज्य के उत्तर-पूर्वी भागों में आगामी दो-तीन दिन हल्के बादल छाए रहने व कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। वहीं आगामी 3-4 दिन में अधिकतर भागों में अधिकतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है। नौ मई को जोधपुर संभाग के सीमावर्ती क्षेत्रों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के करीब दर्ज होने व पश्चिमी भागों में 'ऊष्ण हवाओं' का नया दौर इसी दिन से शुरू हो सकता है।



उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को नाथद्वारा में प्रभु श्रीनाथजी के दर्शन किए और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर राज्य की प्रगति, समृद्धि एवं जनकल्याण के लिए प्रार्थना की। मंदिर मण्डल पदाधिकारियों द्वारा परंपरा अनुसार उप मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया गया।

सुविचार

मुष्टिकलों से भाग जाना आसान होता है, हर पहलु जिंदगी का इम्तिहान होता है, इरने वालों को मिलता नहीं कुछ जिंदगी में, लड़ने वालों के कदमों में जहान होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दुश्मन के हाथ मजबूत कर रहे ये बयान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्य में हुए दो धमाकों के बारे में जो बयान दिया, वह एक वरिष्ठ राजनेता को शोभा नहीं देता है। खासकर, एक मुख्यमंत्री को ऐसा बयान बिल्कुल नहीं देना चाहिए। भाजपा से राजनीतिक लड़ाई लड़ना भगवंत मान का अधिकार है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषय को उसकी कथित साजिश से जोड़कर बयान देना आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई को कहीं-न-कहीं कमजोर करता है। हमारे देश में ऐसी घटनाओं के पीछे पाकिस्तान का हाथ जरूर होता है। पंजाब की शांति और समृद्धि उसकी आंखों में दशकों से खटक रही हैं। इस राज्य के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा लगती है। इसने आतंकवाद का दर्दनाक दौर देखा है। अब उसके मुख्यमंत्री बेबुनियाद बयान दे रहे हैं! क्या भगवंत मान नहीं जानते कि उनके शब्दों पर पाकिस्तानी मीडिया और आईएसआई की नजरें रहेंगी? वे इस बयान को भारत के खिलाफ इस्तेमाल कर सकते हैं। आज से एक साल पहले जब अंपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था, तब भारत में कई लोग पहलगाम हमले के लिए पाकिस्तान के बजाय अपने ही देश के सुरक्षा बलों और एजेंसियों को कोस रहे थे। उनमें से कुछ तो 'आंतरिक साजिश' के तार जोड़कर यह साबित करने में व्यस्त थे कि इस हमले के लिए पाकिस्तान जिम्मेदार नहीं है, बल्कि सारा दोष हमारा ही है। उनकी सोशल मीडिया पोस्ट और वीडियो को पाकिस्तान ने जोर-शोर से चलाया था। उन लोगों से पूछना चाहिए, 'आप किस आधार पर ऐसा दावा कर सकते हैं कि आतंकवादी घटनाओं के पीछे पाकिस्तान का हाथ नहीं है? क्या आपको कोई विशेष खुफिया रिपोर्ट मिली है? अगर हां, तो वह आपको कैसे मिली? अगर नहीं, तो अनर्गल बयान देकर खुद को विशेषज्ञ साबित क्यों करना चाहते हैं?'

देश में पिछले कुछ वर्षों में एक ऐसे वर्ग का उदय हुआ है, जो हर घटना के पीछे 'आंतरिक साजिश' ढूँढ लेता है। उसके अनुसार, पहलगाम, पुलवामा, पटानकोट और उरी हमले में पाकिस्तान की कोई भूमिका नहीं थी। उस 'मासूम' को तो भारतीय मीडिया ने यूं ही बदनाम कर दिया! जब मुंबई में 26/11 के हमले हुए थे तो कुछ 'तेजस्वी' लोगों के समूह ने एक किताब का विमोचन कर यह साबित करने के लिए पूरा जोर लगा दिया था कि इसके साथ पाकिस्तान का नाम न जोड़ा जाए। अगर आतंकवादी कसाब न पकड़ा जाता तो वे इस झूठ को फैलाने में कामयाब हो जाते। पाकिस्तानी मीडिया आज भी उस किताब का जिक्र कर अपने मुल्क की छवि चमकाने की कोशिश करता है कि 'भारत के कुछ 'बुद्धिजीवी' यह स्वीकार कर चुके हैं कि हमला किसी और का काम था, हमारा नाम तो यूं ही घसीटा जा रहा है।' क्या ऐसी किताबें लिखने, गलत बयान देने से पाकिस्तान को अपना बचाव करने के लिए मजबूत तर्क नहीं मिल जाता है? अब भगवंत मान भी अनर्गल बातें कर सुर्खियों में आ रहे हैं। जब पाकिस्तान में फौज और आईएसआई के अधिकारी ऐसे बयान सुनते होंगे तो ठहाके लगाते होंगे। वे सोचते होंगे कि ये लोग हमारा ही काम आसान कर रहे हैं। इस समय वरिष्ठ राजनेताओं से यह उम्मीद की जाती है कि वे पाकिस्तान को चेतावनी दें और इस बात पर खास जोर दें कि राजनीतिक मतभेद चलते रहते हैं, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में हम सब एक हैं। गैर-जिम्मेदार ढंग से दिए गए बयान किसी नेता को चर्चा में जरूर ला सकते हैं। वे उसे महान नहीं बना सकते। अगर उन्हें अपना खयाल नहीं है तो कोई बात नहीं; वे इस महान देश का तो कुछ खयाल करें।

ट्वीटर टॉक

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के नाम पर राजस्थान के युवाओं के साथ कैसा मजाक किया जा रहा है? 90,000 युवाओं ने बड़े जोश के साथ अप्लाई किया, लेकिन लोन सिर्फ 60 को मिला! आज भी हज़ारों एप्लीकेशन धूल फांक रही हैं।

अशोक गहलोत

आज सहाड़ा विधानसभा क्षेत्र के रायपुर में लोक निर्माण विभाग, शिक्षा विभाग, चिकित्सा विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, एवं पशुपालन विभाग से संबंधित 58 करोड़ की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं उद्घाटन कर क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं दी गई।

दिवा कुमारी

आज उदयपुर के डिस्ट्रिक्ट काउंसिल हॉल में अधिकारियों के साथ अलग-अलग डिपार्टमेंट्स की रियू मीटिंग हुई। मीटिंग में पब्लिक वेलफेयर स्कीम्स के असरदार इम्प्लीमेंटेशन, बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर, हेल्थ और एजुकेशन से जुड़े कामों का डिटेल में रिव्यू किया गया।

भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

सच्चे जीवन के वर्ष

नौ शेरवां एक न्यायप्रिय राजा थे। एक दिन वे भेष बदलकर राज्य का हाल जानने निकले। रास्ते में उन्हें एक वृद्ध किसान मिला। उसके बाल सफेद थे, चेहरे पर झुर्रियाँ थीं, फिर भी उसमें युवाओं जैसा उत्साह था। राजा ने उससे पूछा, 'आपकी उम्र कितनी है?' वृद्ध ने मुस्कराकर कहा, 'चार वर्ष' यह सुनकर राजा को आश्चर्य हुआ। दोबारा पूछने पर भी वही उत्तर मिला तो वे क्रोधित हो उठे और बोले, 'भैं साधारण व्यक्ति नहीं, राजा नौशेरवां हूं। सच-सच बताओ।' फिर राजा ने स्वयं को शांत किया और विनम्रता से पूछा, 'आप तो अस्सी वर्ष के लगते हैं, फिर चार वर्ष क्यों कहते हैं?' वृद्ध ने उत्तर दिया, 'महाराज, अस्सी वर्ष तो मैंने सांसारिक कार्योंचन कमाने, परिवार बसानेमें बिताए। वह जीवन तो पशु भी जीता है। पर पिछले चार वर्षों से मैं ईश्वर-भक्ति, सेवा, दया और सदाचार में लगा हूँ। यही मेरे जीवन के सच्चे वर्ष हैं, इसलिए मैं स्वयं को चार वर्ष का मानता हूँ।'

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , 1st floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasadur Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekant Parashar, ("Responsible for selection of news under PRB Act).Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वगैरह, टेंडर एवं सजायदी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी यह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उपायों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रण एवं प्रकाशक या मालिकाना को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सामयिक

सियासत का नया व्याकरण लिखता जनादेश-2026

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 94 16740584.

सियासत का नया व्याकरण लिखता जनादेश 2026

पांचों राज्यों के परिणामों को यदि एक व्यापक कैनवास पर रखकर देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि भारतीय राजनीति अब परफॉर्मेंस' के युग में प्रवेश कर चुकी है। अब केवल जातिगत समीकरण बैठकर या बड़े-बड़े विज्ञापन देकर चुनाव नहीं जीते जा सकते।

ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां सुशासन और कानून-व्यवस्था ही सत्ता की एकमात्र कसौटी रह गई है। असम की ओर रुख करें तो यहां की स्थिति बंगाल से बिल्कुल भिन्न लेकिन उतनी ही प्रभावशाली है। मुख्यमंत्री हिमंत बिरवा सरसा के नेतृत्व में भाजपा की हैट्रिक' ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब विकास को सांस्कृतिक अस्मिता के साथ जोड़ दिया जाता है तो वह एक अजेय फॉर्मूला बन जाता है। असम में भाजपा की जीत केवल सत्ता की निरंतरता नहीं है बल्कि यह उस विभास की पुष्टि है, जो जनता ने सरसा के प्रभावी और साहसी नेतृत्व में दिखाया है। निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन ने राजनैतिक भूगोल को इस तरह बदला कि चुसपेट और बाहरी प्रभाव की राजनीति हाशिए पर चली गई और 'असमिया राष्ट्रवाद' का नया स्वरूप उभरकर सामने आया। 'ओरुनोडोई' जैसी योजनाओं ने महिला मतदाताओं के बीच भाजपा को एक ऐसे रहस्य के रूप में स्थापित कर दिया है, जिसके पास उनके दैनिक जीवन की समस्याओं का ठोस समाधान है। असम का जनादेश संदेश देता है कि यदि नेतृत्व के पास विजन हो और वह जमीनी मुद्दों पर आक्रामक तरीके से कार्य करे तो जनता उसे फिर सेवा का अवसर प्रदान करती है। यहां विपक्ष की बिखरी हुई ताकत और कांग्रेस की वैचारिक शून्यता ने भाजपा की राह को और भी आसान बना दिया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि पूर्वोत्तर में भाजपा अब एक विकल्प नहीं बल्कि एक स्थायी शक्ति बन चुकी है।

दक्षिण भारत के राजनैतिक परिदृश्य ने तमिलनाडु ने इस बार पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। थलपति विजय के रूप में एक नए राजनैतिक सूर्य का उदय यह बताता है कि तमिलनाडु की जनता अब डीएमके और एआईएडीएमके के दशकों पुराने झंझ में मुक्ति चाहती थी। विजय की पार्टी तमिलगा वैत्री कड़गम' द्वारा 100 सीटों का आंकड़ा पार करना एक राजनैतिक चमत्कार है, जिसने एमजीआर के उस दौर की याद ताजा कर दी, जब सिनेमा और राजनीति का संगम सत्ता की चाबी बन गया था। विजय ने खुद को केवल एक फिल्मी सितारे के रूप में नहीं, एक 'संकटमोचक' और 'युवा आइकन' के रूप में पेश किया। उन्होंने गठबंधन की राजनीति को ठेंगा दिखाते हुए 'अकेले शेर' की तरह चुनावी मैदान में उतरने का जो साहस दिखाया, उसने तमिल युवाओं के बीच एक नई ऊर्जा का संचार किया। यह परिणाम कमल हासन और विजयकांत जैसे पूर्ववर्ती सितारों की तुलना में कहीं अधिक गहरा है क्योंकि विजय ने 'बौद्धिक राजनीति' के बजाय जमीनी और 'मांस-अपील' वाली राजनीति को चुना। तमिलनाडु का यह जनादेश द्रविड़ राजनीति के भविष्य के एक नई दिशा देने वाला है, जहां अब तीसरी शक्ति' केवल संभावना नहीं बल्कि एक हकीकत बन चुकी है।

केरल का चुनाव परिणाम भी कम दिलचस्प नहीं रहा, जहां 'एक बार इधर, एक बार उधर' की पारंपरिक रीत ने पिनाराई विजयन की तमाम कोशिशों के बावजूद एलडीएफ को सत्ता से बाहर कर दिया। यूडीएफ की यह प्रचंड वापसी यह दर्शाती है कि केरल का शिक्षित मतदाता भ्रष्टाचार और राजकीयय कुप्रबंधन को बर्दाश्त करने के मूढ़ में

नजरिया

गीत, ज्ञान और मानवता के कवि रवींद्रनाथ

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता के जोड़ासांको ठाकुरबाड़ी में हुआ था और यह तिथि भारतीय इतिहास और संस्कृति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। बंगाली परंपरा में उनकी जयंती वैशाख महीने के 25वें दिन (पचीशे बैसाख) को मनाई जाती है, जो हर वर्ष ग्रेगोरियन कैलेंडर में अलग तिथि पर आती है, परंतु 2026 में यह 7 मई को ही पड़ रही है। यह संयोग केवल तिथियों का मेल नहीं है, बल्कि यह उस सांस्कृतिक निरंतरता का प्रतीक है जिसमें समय बदलता है पर मूल्य स्थिर रहते हैं। टैगोर का जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ था जो साहित्य, कला और सामाजिक चेतना का केंद्र था, और यही परिवेश उनके व्यक्तित्व के निर्माण में निर्णायक सिद्ध हुआ।

रवींद्रनाथ टैगोर को विश्वकवि कहा जाता है, और यह उपाधि केवल सम्मान नहीं बल्कि उनकी रचनात्मकता की व्यापकता का प्रमाण है। 1913 में उन्हें उनकी काव्य रचना गीतांजलि के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला, जिससे वे इस सम्मान को प्राप्त करने वाले पहले गैर यूरोपीय बने। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तित्व और जीवन की महत्वपूर्ण घटना थी बल्कि यह भारतीय साहित्य के वैश्विक स्वीकार का भी क्षण था। गीतांजलि में निहित आध्यात्मिकता, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और मानवीय भावनाओं की गहराई ने दुनिया भर के पाठकों को प्रभावित किया। उनकी भाषा सरल होते हुए भी गहन थी और उनके विचार सीमाओं से परे जाकर मानवता की एकता की बात करते थे।

टैगोर की सबसे विशिष्ट पहचान यह है कि उनकी रचनाएँ दो देशों के राष्ट्रगान बनीं। भारत का जन गण मन और बांग्लादेश का अमार सोनार बांग्ला उनकी ही काव्य प्रतिभा के उदाहरण हैं। यह तथ्य उन्हें विश्व साहित्य में एक अनूठा स्थान देता है, क्योंकि ऐसा उदाहरण अन्यत्र नहीं मिलता। उनकी रचनाओं में देशभक्ति का स्वर था, परंतु वह संकीर्ण राष्ट्रवाद से परे था। वे मानवता को किसी एक देश या सीमा में बांधकर नहीं देखते थे, बल्कि उनकी दृष्टि वैश्विक थी। वे मानते थे कि सच्चा राष्ट्रवाद वैश्विक है जो मानवता का सम्मान करे और सभी के लिए समान अवसर और सम्मान की बात करे।संगीत के क्षेत्र में भी टैगोर का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने रवींद्र संगीत की परंपरा को विकसित किया जिसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत और लोकधुनों का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। उनके गीतों में भावनाओं की गहराई, प्रकृति के प्रति प्रेम और जीवन के विभिन्न रंगों का चित्रण मिलता है। आज भी उनके गीत बंगाल और पूरे भारत में गाए जाते हैं और उनकी लोकप्रियता समय के साथ और जागृत हो रही है। उनके द्वारा रचित धुनें केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं, बल्कि वे आत्मा को छूने वाली अनुभूति प्रदान करती हैं।

टैगोर का दृष्टिकोण केवल साहित्य और संगीत तक सीमित नहीं था, बल्कि वे एक महान शिक्षाविद और दार्शनिक भी थे। उन्होंने शांतिनिष्ठता और स्थापना इस उद्देश्य से की कि शिक्षा प्रकृति के साक्षिध्व में दी जाए और विद्यार्थियों को स्वतंत्र रूप से सोचने और सीखने का अवसर मिले। बाद में यही संस्थान विश्व भारती विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हुआ, जो आज भी उनके आदर्शों का प्रतिनिधित्व करता है। उनका मानना ​​था कि शिक्षा केवल जानकारी प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह मनुष्य के भीतर की संवेदनशीलता, रचनात्मकता और नैतिकता को विकसित करने का साधन है। वे शिक्षा को जीवन से जोड़कर देखते थे और चाहते थे कि विद्यार्थी केवल किताबों तक सीमित न रहें बल्कि प्रकृति और समाज से भी सीखें।

टैगोर के विचारों में मानवतावाद की गहरी भावना थी। वे राष्ट्रवाद के अंधानुकरण के विरोधी थे और मानते थे कि यदि राष्ट्रवाद मानवता के विरुद्ध हो जाए तो वह विनाशकारी बन सकता है। उनके लेखन में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि वे विश्व शांति, सहिष्णुता और भाईचारे के पक्षधर थे।

रवींद्रनाथ टैगोर का जीवन और कार्य यह सिद्ध करता है कि सच्ची महानता केवल उपलब्धियों में नहीं बल्कि उन मूल्यों में होती है जो व्यक्ति समाज को देता है। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से यह दिखाया कि कला, साहित्य और शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। उनकी सोच आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनके आदर्श हमें यह सिखाते हैं कि हमें अपने जीवन में मानवता, संवेदनशीलता और रचनात्मकता को स्थान देना चाहिए।

उन्होंने अपने समय की सामाजिक कुरीतियों, अंधविश्वासों और असमानताओं पर भी तीखा प्रहार किया। उनके उपन्यास, कहानियाँ और नाटक समाज के विभिन्न पहलुओं को उजागर करते हैं और पाठकों को सोचने के लिए प्रेरित करते हैं। उनका व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे कवि, लेखक, संगीतकार, चित्रकार और दार्शनिक सभी कुछ थे। लगभग 60 वर्ष की आयु में उन्होंने चित्रकला शुरू की और हजारों चित्र बनाए। यह तथ्य यह दर्शाता है कि उनके भीतर सृजन की ऊर्जा जीवन के अंतिम समय तक बनी रही। उनकी चित्रकला भी उतनी ही अभिव्यक्तिपूर्ण थी जितनी उनकी कविताएँ। उन्होंने अपने हर कार्य में नवीनता और मौलिकता को महत्व दिया और यही कारण है कि उनका हर योगदान विशिष्ट बन गया।

टैगोर की रचनाओं में स्त्री जीवन, ग्रामीण समाज और मानवीय संबंधों की गहरी समझ दिखाई देती है। उन्होंने समाज में व्याप्त लैंगिक असमानताओं और सामाजिक अन्याय को अपनी कहानियों और उपन्यासों के माध्यम से उजागर किया। उनके पात्र जीवंत होते हैं और उनकी समस्याएँ वास्तविक जीवन से जुड़ी होती हैं। वे केवल मनोरंजन के लिए नहीं लिखते थे, बल्कि उनके लेखन का उद्देश्य समाज में जागरूकता लाना और परिवर्तन की प्रेरणा देना था।

उनकी प्रसिद्ध पंक्ति चित्र जेषा भयशून्य, उग्र जेषा शिर आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह पंक्ति एक ऐसे समाज की कल्पना प्रस्तुत करती है जहां लोग भयमुक्त हों, जहां ज्ञान स्वतंत्र हो और जहां संकीर्णता का स्थान न हो। यह विचार आज के समय में भी उतना ही प्रासंगिक है

जितना उनके समय में था। जब दुनिया विभिन्न प्रकार के संघर्षों और विभाजनों से जूझ रही है, तब टैगोर के विचार हमें एक बेहतर और मानवीय समाज की ओर मार्गदर्शन देते हैं।

रवींद्रनाथ टैगोर का जीवन और कार्य यह सिद्ध करता है कि सच्ची महानता केवल उपलब्धियों में नहीं बल्कि उन मूल्यों में होती है जो व्यक्ति समाज को देता है। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से यह दिखाया कि कला, साहित्य और शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। उनकी सोच आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनके आदर्श हमें यह सिखाते हैं कि हमें अपने जीवन में मानवता, संवेदनशीलता और रचनात्मकता को स्थान देना चाहिए।

उनकी जयंती केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह एक अवसर है उनके विचारों को समझने और उन्हें अपने जीवन में अपनाने का। पचीशे बैसाख के दिन जब लोग उनके गीत गाते हैं और उनकी रचनाओं को याद करते हैं, तब यह केवल एक महान कवि को श्रद्धांजलि नहीं होती बल्कि यह उस सांस्कृतिक धरोहर का उत्सव होता है जिसे उन्होंने हमें दिया। टैगोर की विरासत समय के साथ और अधिक प्रासंगिक होती जा रही है, क्योंकि उनके विचार आज भी समाज को दिशा देने की क्षमता रखते हैं। इस प्रकार रवींद्रनाथ टैगोर केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं बल्कि एक जीवित प्रेरणा हैं, जिनकी रचनाएँ और विचार आज भी हमें बेहतर मनुष्य बनने की ओर प्रेरित करते हैं। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि सृजन, संवेदन और शिक्षा के माध्यम से हम दुनिया को अधिक सुंदर और मानवीय बना सकते हैं।

भाषाभागीदारी से कहीं अधिक है।”
नायें के राजदूत ने कहा,
“10.6 करोड़ की आबादी के साथ,
पश्चिम बंगाल यूएनएचपी संच के किसी
भी देश से कहीं बड़ा है, इसलिए वह
मायने रखता है।” उन्होंने कहा कि
पश्चिम बंगाल और केरल विधानसभा
चुनाव में “आक्षेपजनक परिणाम”
आए और तत्कालीनराज्य में “वैकान्तिक
वाला” परिणाम आया।
सोलहमें ने कहा, “इस परिणाम
से पश्चिमी मिडिया को सोचने में
मजबूर होना चाहिए। वे अक्सर
प्रधानमंत्री मोदी को लोकतंत्र के लिए
खतरा और जनकी नीतियों को किसी
प्रकार का हिंदू कट्टरपंथ बताते हैं।
वास्तविकता इससे बिल्कुल विपरीत
है।” उन्होंने कहा, “भारत न केवल
आकार में दुनिया का सबसे बड़ा
लोकतंत्र है, बल्कि यह विश्वव्यापक
मापमें ही है, सबसे मजबूत लोकतंत्रों
में से एक है क्योंकि वह पश्चिमी प्रभाव
से प्रेरित नहीं है बल्कि भारतीय
परंपराओं और इतिहास में निहित
है।” यूरोपीय देश के पूर्व मंत्री ने
भाजपा के प्रदर्शन की और प्रशंसा
करते हुए कहा, “जब भाजपा ने
2024 के संसदीय चुनावों में उम्मीदों
के अनुरूप प्रदर्शन नहीं किया
था, तब कई पश्चिमी मिडिया ने ऐसा
लिखा मानो यह मोदी के राजनीतिक
असफलता की शुरुआत हो।”

विद्या बालन ने पुरानी यादें साझा करते हुए कहा, 'बे लास्ट टेनेंट' को आखिरकार दर्शकों तक पहुंचते देखना बेहद सुखद एहसास है। मैं तब अपने करियर की शुरुआत ही कर रही था और अपना पहला फिल्म बनाने की कोशिश में थी। इफ्रान के साथ काम करना उस समय बेहद खास था और अब और भी ज्यादा खास लग रहा है, क्योंकि यह एक एम्वेयर रेसी फिल्म है जिसमें मुझे उनके साथ स्क्रीन साझा करने का अवसर मिला। प्रेस विज्ञापित के अनुसार, सार्थक ने फिल्म की फुटेज खो दी थी, जिसके कारण यह दो दर्शकों से अधिक समय तक ठंडे बचेगा है। हाल ही में उन्हें इसकी एक वीथिएस कॉपी मिली, जिससे इसकी रिलीज संभव हो सकी। सार्थक ने उस फिल्म के रिलीज को एक एपक के सच होने जैसा बताया। इस फिल्म का निर्माण सार्थक और उनकी पत्नी नीना ने अपने बैनर 'बे सॉल्ट इंक' के तहत किया है।



गर्मियों में धूम मचाने के लिए तैयार हाई लाइफ प्रदर्शनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मशहूर फैशन प्रदर्शनी हाई लाइफ गर्मियों में धूम मचाने के लिए तैयार है। इसका आगाज 8 मई को बेंगलूरु के 'द ललित अशोक' में होगा। यह 10 मई तक जारी रहेगी। इसके आयोजकों ने कहा कि यहां आकर प्रीमियम फैशन अनुभव का आनंद ले सकते हैं। हाई लाइफ का समर एडिशन डिजाइनर कपड़ों, शानदार कुट्यूर, आकर्षक ज्वेलरी और ट्रेंडी एक्सेसरीज की बेहतरीन प्रदर्शनी लेकर आ रहा है। यहां देश के टॉप डिजाइनरों के एक्सक्लूसिव कलेक्शन देख सकते हैं।

साथ ही, अपने सीजनल वॉर्डरोब को और भी शानदार बनाने के लिए बेहतरीन पीस चुन सकते हैं। आयोजकों ने बताया कि हाई लाइफ वह जगह है, जहां स्टाइल और नज़ाकत का मेल होता है। यह प्रदर्शनी फैशन प्रेमियों के लिए एक बेहतरीन मौका लेकर आ रही है। यहां आपको जरूरत का हर सामान मिलेगा। डिजाइनर आउटफिट्स से लेकर ट्रेंडिंग ज्वेलरी और एक्सेसरीज तक, सबकुछ एक ही छत के नीचे उपलब्ध होगा। गर्मियों के नए ट्रेंड्स, शानदार डिजाइन्स और हाई-क्वालिटी प्रोडक्ट्स इस प्रदर्शनी को बेंगलूरु के फैशन कैलेंडर का महत्वपूर्ण आयोजन बनाते हैं।

किरण मजूमदार-शॉ ने भतीजी क्लेयर को उत्तराधिकारी चुना

अभी पद छोड़ने की योजना नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बायोकॉन की संस्थापक एवं कार्यकारी चेरयरपर्सन किरण मजूमदार-शॉ ने अपनी भतीजी क्लेयर मजूमदार को उत्तराधिकारी के रूप में चुना और भारत की प्रमुख जैव प्रौद्योगिकी कंपनी के लिए उत्तराधिकार योजना तय की है। मजूमदार-शॉ (73) की कोई संतान नहीं है। शॉ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बायोकॉन में उत्तराधिकार योजना से जुड़ी खबरों की पुष्टि करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी भतीजी क्लेयर को उत्तराधिकारी चुना है। उन्होंने हालांकि स्पष्ट किया कि यह बदलाव जल्द नहीं होने जा रहा है। शॉ ने लिखा, अभी कुछ समय तक पद छोड़ने की योजना नहीं है। क्लेयर समय के साथ धीरे-धीरे मेरी भूमिका संभालेंगी।' क्लेयर मजूमदार (37) बायोकॉन की संस्थापक किरण के भाई रवि मजूमदार की बेटी हैं। क्लेयर मजूमदार ने 2018 में बोरस्टन स्थित बिकारा थैरेप्यूटिक्स की स्थापना की थी जो कैंसर के उपचार पर काम करने वाली एक 'क्लीनिकल-रिज' कंपनी है। उन्होंने इसे 2024 में नैस्डैक में सूचीबद्ध कराया। रवि मजूमदार बायोकॉन में गैर-कार्यकारी निदेशक हैं। क्लेयर रिलाय थैरेप्यूटिक्स और नूरा हेल्थ के बोर्ड में भी शामिल हैं। एमआईटी से जैविक इंजीनियरिंग में स्नातक क्लेयर के पास स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से एमबीए और कैंसर जीवविज्ञान में पीएचडी की डिग्री भी है।



उनके माता-पिता अमेरिका में कंप्यूटर विज्ञान के प्रोफेसर भी हैं। उनके भाई एरिक कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में प्रोफेसर एवं कृत्रिम मेधा (एआई) विशेषज्ञ हैं। भारतीय जैव-प्रौद्योगिकी उद्योग का चेहरा मानी जाने वाली मजूमदार-शॉ ने 1978 में बेंगलूरु में एक गैरेज से 10,000 रुपये में बायोकॉन की स्थापना की थी और चार दशकों में इसे भारत की सबसे बड़ी जैव-प्रौद्योगिकी कंपनी बना दिया। उन्होंने 1998 में स्कॉटलैंड के जॉन शॉ से विवाह किया था। जॉन शॉ का 2022 में कैंसर के कारण निधन हो गया। जॉन बायोकॉन के उपध्यक्ष एवं गैर-कार्यकारी निदेशक होने के साथ ही कंपनी के विदेशी प्रवर्तक भी थे। क्लेयर को उत्तराधिकारी नामित करते हुए मजूमदार-शॉ ने कहा कि बायोकॉन की एकमात्र प्रवर्तक होने के नाते उन्हें यह सुनिश्चित करना था कि कंपनी सही हाथों में जाए। उन्होंने कहा कि क्लेयर ने यह साबित किया है कि वह एक कंपनी चला सकती हैं इसलिए उन्हें उत्तराधिकारी के रूप में चुना गया है। चार दशकों में एक महिला द्वारा खड़ी की गई बायोकॉन की बागडोर अब एक महिला से दूसरी महिला को सौंपे जाने की तैयारी है।

केरल के एक ही क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहा दंपति पति लोकसभा में और पत्नी विधानसभा में

प्रतिक्रिया दी। तुलसी ने कहा कि पूरे चुनाव प्रचार अभियान के दौरान श्रीकंदन लगातार उनके साथ रहे। उन्होंने बताया कि श्रीकंदन ने यूडीएफ के अन्य उम्मीदवारों के समर्थन में भी जमकर प्रचार किया। श्रीकंदन लंबे समय से कांग्रेस से जुड़े हुए हैं। वह कांग्रेस की पलक्कड़ जिला इकाई के अध्यक्ष के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। उन्हें जमीनी हकीकत और चुनावी दबाव, दोनों की बेहतरीन समझ है। श्रीकंदन के मुताबिक, जब पार्टी नेताओं ने पहली बार पूछा कि क्या शिक्षाविद और केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) की महासचिव तुलसी चुनाव जीत सकती हैं, तो वह कुछ देर के लिए सोच में पड़ गए थे। चूंकि, कोंगड श्रीकंदन के लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है, इसलिए उनका जवाब मायने रखता था। उन्होंने तुलसी की जीत का भरोसा जताया। तुलसी उनके भरोसे पर खरी उतरतीं और कोंगड से विधायक चुनी गईं। श्रीकंदन ने कहा कि विधायक के रूप में तुलसी की पहचान अपने आप में ही काफी होनी चाहिए। उन्होंने कहा, तुलसी को एक स्वतंत्र विधायक के रूप में काम करना चाहिए, जिनसे आम लोग बेझिझक संपर्क कर सकें। तुलसी ने श्रीकंदन की बात से इत्फाक जताया। उन्होंने कहा, मतदाताओं ने अपने वोट के माध्यम से मेरे प्रति जो प्यार दिखाया है, मैं अपने काम के जरिये उसे लौटाऊंगी।



धर्म विकास के लिए महापुरुषों की मानवतावादी, समाजवादी व समानता की नीति को अपनाना होगा : कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित जैन स्थानक में विराजित राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए अपने प्रवचन में कहा कि जब एक ही आराध्य के उपासक एक साथ मिलकर एक छत के नीचे सामूहिक रूप से उपासना नहीं कर सकते तो इससे बड़ा दुर्भाग्य और कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि एक नहीं होने वाले द्वारा जनता के बीच उदारवाद की बातें करना, प्राणी मात्र के साथ प्रेम और मैत्री के व्यवहार की बातें करना सरासर धोखा और अन्याय है और धार्मिक सिद्धांतों की ध्वनियां उड़ाने के समान है। उन्होंने कहा कि महापुरुष तो इंसान ही क्या पशु और पक्षियों के बीच एक साथ बैठकर भी बिना भेदभाव के आराधना करते हैं और करवाते हैं, उनसे हमें सबक सीखना चाहिए।



राजाजीनगर में तेरापंथ महिला मंडल की हुई संगठन यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन राजाजीनगर में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संगठन यात्रा का आयोजन किया गया। तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष सुनीता कोठारी ने सभी का स्वागत किया। मंडल की पूर्व महामंत्री एवं राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य वीणा बेंद ने संगठन यात्रा का उद्देश्य बताते हुए कहा कि मंडल के विकास के लिए सदस्योंओं को एकजुट करना आवश्यक है। शाखा मंडल की मजबूती ही राष्ट्रीय संस्था की ताकत है। रुचिका पटवारी ने सभी को संस्था के विभिन्न आयामों की जानकारी दी। कन्या मंडल अधिवेशन की जानकारी देते हुए कन्याओं से अधिवेशन में शामिल होने की बात कही। संगठन यात्रा का सर्टिफिकेट देकर राजाजीनगर मंडल को सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक मानव हक संरक्षण संस्था द्वारा बेंगलूरु के रवींद्र कला क्षेत्र में विभिन्न क्षेत्रों में सेवा देने वाले व्यक्तियों के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर कर्नाटक महिला आयोग की अध्यक्ष नारालक्ष्मी चौधरी ने दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र गुणोत ने कहा कि पुरस्कार या सम्मान किसी प्रतिभा का सही मापदंड नहीं होता, लेकिन पुरस्कार या सम्मान व्यक्ति को और अच्छा करने के लिए प्रेरित करता है। संस्था के अध्यक्ष गणेश ने अतिथियों को सम्मानित किया।

कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल तीन नेताओं के बीच लामबंदी तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की जीत के बाद पार्टी नेता दी. डी. सतीशान, के. सी. वेणुगोपाल और रमेश चेन्नित्थला के समर्थक यह दावा कर रहे हैं कि जनता में लोकप्रियता, ज्यादा से ज्यादा विधायकों का समर्थन और पार्टी में अनुभव उनके नेता को मुख्यमंत्री पद के लिए उपयुक्त बनाता है। केरल में नौ अप्रैल को हुए चुनाव में यूडीएफ ने भारी बहुमत हासिल करते हुए 102 सीट जीत दर्ज कर सत्ता में वापसी की है। इस चुनाव में यूडीएफ को 2.15 करोड़ वोट में से एक करोड़ से अधिक वोट हासिल हुए। करीब एक दशक बाद सत्ता में लौटी कांग्रेस की इस जीत के बाद सभी की निगाहें पार्टी आलाकमान पर टिकी हैं जो इस बात का फैसला करेगा कि राज्य में सरकार का नेतृत्व कौन करेगा। चेन्नित्थला और सतीशान ने क्रमशः हरिद्वार और परवूर में अपने-अपने गढ़ों में भारी अंतर से जीत दर्ज की, वहीं कांग्रेस महासचिव (संगठन) वेणुगोपाल ने चुनाव नहीं लड़ा। अटकलें तेज होने के साथ ही नेताओं ने पार्टी आलाकमान के प्रति अपनी निष्ठा और शक्ति का प्रदर्शन शुरू कर दिया है। उनके समर्थकों ने व्यापक सोशल मीडिया अभियानों के माध्यम से और बड़े स्वागत समारोहों का आयोजन करके अपने-अपने नेताओं को लिए प्रचार तेज कर दिया है, जैसे कि एर्नाकुलम में सतीशान और नयी दिल्ली में वेणुगोपाल के लिए समारोह आयोजित हुए। नेहरू-गांधी परिवार के विकासपात्र माने जाने वाले चेन्नित्थला ने सोमवार को विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद कहा कि यूडीएफ की ऐतिहासिक जीत का श्रेय राहुल गांधी को जाता है। उन्होंने चुनाव पर बड़ा प्रभाव डालने वाली पांच गांठों का श्रेय भी गांधी को ही दिया। उन्होंने कहा, इस जीत के पीछे सबसे बड़ी भूमिका राहुल गांधी की रही। उन्होंने दिल्ली में सभी नेताओं को बुलाया, जीत की आवश्यकता पर चर्चा की और हमें एकजुट टीम के रूप में काम करने का मार्गदर्शन दिया। यूडीएफ ने एकजुट होकर काम किया। यह नेतृत्व राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे ने प्रदान किया।" चेन्नित्थला ने कहा, "प्रियंका गांधी की सक्रिय उपस्थिति और सोनिया गांधी का आशीर्वाद भी हमारे साथ था।



सत्य, करुणा और एकाग्रता का पालन कर जीवन का असली चैंपियन बनना संभव : डॉ समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय मागड़ी रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में डॉ. समकितमुनिजी के सान्निध्य में चल रहे अष्ट दिवसीय आवासीय 'समकित संस्कार शिविर' के चतुर्थ दिन लगभग 250 बालक-बालिकाओं ने पूरे उत्साह के साथ सहभागिता कर धर्म, ज्ञान और उत्तम संस्कारों का अमूल्य लाभ लिया। बेंगलूरु चातुर्मास समिति-2026 के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में सान्निध्यता प्रदान करते हुए श्री समकितमुनिजी ने बच्चों को जीवन का 'असली चैंपियन' बनने के तीन अव्यक्त सूत्र दिए। 'संतश्री ने कहा कि जीवन की वास्तविक जीत केवल किसी दौड़ में प्रथम आने में नहीं, बल्कि श्रेष्ठ मानवीय गुणों को धारण करने में है। एक सच्चा चैंपियन वह है जिसके भीतर विपरीत परिस्थितियों और उर के बावजूद निडर होकर 'सत्य' बोलने का अदम्य साहस हो, क्योंकि

सत्य का मार्ग भले ही शुरूआत में कठिन या खालीपन भरा लगे, परंतु आखिरी और स्थायी विजय सदैव सच्चाई की ही होती है। सफलता का दूसरा महत्वपूर्ण सूत्र 'करुणा' है, जैन धर्म के मूल मंत्र 'परस्परप्रगढ़ी जीवानाम' को आत्मसात करते हुए प्रतिस्पर्धा में दूसरों को पीछे धकेलने के बजाय, किसी गिरे हुए या कमजोर साथी का हाथ पकड़कर उसे भी अपने साथ मंजिल तक ले जाना ही मनुष्य की वास्तविक जीत है। इसके अतिरिक्त, संत ने लक्ष्य के प्रति एकाग्रता का आह्वान करते हुए कहा कि जब भी हम कोई श्रेष्ठ मार्ग चुनते हैं, तो समाज में नकारात्मकता फैलाने और उपहास करने वाले लोग अवश्य मिलते हैं। ऐसे समय में हमें हतोत्साहित करने वाले उन स्वयं के प्रति पूर्णतः 'बहरा' हो जाना चाहिए। दुनिया की नकारात्मक बातों को अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि अपनी ताकत और प्रेरणा बनाकर जो व्यक्ति अडिग, आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहता है, वही इस संसार का असली चैंपियन बनता है। झुप्रवचन के दौरान विभिन्न कक्षाओं के बालक-बालिकाओं ने अत्यंत मनमोहक प्रस्तुतियां दी। बच्चों ने शिविर की कक्षाओं में जो भी धार्मिक ज्ञान, सूत्र और संस्कार अर्जित किए हैं, उन्हें अत्यंत आत्मविश्वास के साथ संपूर्ण सभा के समक्ष प्रस्तुत किए।

साधकों की इस उत्कृष्ट 'ज्ञान आराधना' और प्रतिभा को देखकर उपस्थित जनों ने उनकी सराहना की व उत्साहवर्धन किया। तीसरे दिन अनेकों नन्हे बालक-बालिकाओं ने उत्तम संयम का परिचय देते हुए 'एकासन' और 'उपवास' जैसी कठिन तपस्याएं भी की। कार्यक्रम के मध्य में जयवंतमुनिजी ने अपने मधुर स्वयं में 'सौ मंत्र गीतिका' प्रस्तुत की, जिस पर सभी बच्चे झूम उठे और पूरे आनंद के साथ भक्ति में लीन हो गए। झड़सी क्रम में सायंकाल को आराधना केंद्र में एक 'भक्ति संध्या' का आयोजन किया गया जिसमें;ह युवा गायक रितेश धोका ने अपनी भजनों की प्रस्तुतियां दी। मधुर स्वर लहरियों से ऐसी शानदार भक्ति प्रस्तुतियां दीं कि संपूर्ण वातावरण संगीतमय और भक्तिमय हो गया।



सत्ता के घमंड में कभी भी पाप का भरता घड़ा दिखाई नहीं देता : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संडूर(होसपेट)। बुधवार को होसपेट के समीप संडूर के आदिनाथ जैन धेतांबर संघ के तत्वावधान में आयोजित प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीधरजी ने कहा कि भाग्य जब बदलता है और पुण्य का उदय होता है, तब छोटे लोग भी बड़े बन जाते हैं। इसी तरह पुण्य जब अस्त होता है तो बड़े-बड़े लोगों को जीने या दफन होने के लिए भी जगह नहीं मिलती। अभी-अभी बंगाल, तमिलनाडु, असम आदि राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में यह तथ्य उभर कर सामने आता है। कहीं अत्याचार की भोग बनी महिला परिजन जीती हैं, कहीं बर्तन साफ करने वाली नौकरानी विजयी हुई हैं।

कहीं एक सामान्य झाड़वर का बेटा जीत गया है तो दूसरी ओर सत्ता के अनुभवी अनेक बड़े मंत्री, अधिकारी, दिग्गज अंधे मुंह गिर गए हैं। यह हार और जीत आकस्मिक नहीं है। यह जनता के साथ हुए न्याय-अन्याय का नतीजा है। प्रजा नादान जरूर होती है, पर वह मूर्ख नहीं होती। जैनाचार्य ने कहा कि नायक न्यायप्रिय और सहिष्णु होने चाहिए। अनीति और अन्याय से पाप का घड़ा भरता चला जाता है। सत्ता के घमंड में कभी किसी को अपनी अवनति दिखाई नहीं देती। लेकिन प्रकृति एक न एक दिन सबका हिसाब करती है, इसलिए यह अत्यंत जरूरी है कि मनुष्य कितना भी ऊंचा उठे, उसे उछलने की कोशिश कभी नहीं करनी चाहिए। उसे सदैव जमीन पर टिके रहना चाहिए। जो बहुत उछलते हैं, वे बहुत रफ्तार से नीचे गिरते हैं। अन्याय, अत्याचार, भ्रष्टाचार, धर्म विरोध या भेदभाव की सत्ताएं कभी शाश्वत नहीं रहती।इहआचार्यश्री ने आगे कहा कि ज्यादातर लोग प्रजा की सेवा के लिए सत्ता तक पहुंचते हैं, लेकिन सत्ता पर काबिज होने के बाद वे अपनी और अपने की सेवा में लग जाते हैं। ऐसे लोग कभी इतिहास नहीं बना सकते। इन चुनावों से हर व्यक्ति को सीख लेनी चाहिए। हर एक को शान्ति, सौहार्द, न्याय और नैतिकता पर विश्वास करना चाहिए। इन महत्वपूर्ण तत्वों को छोड़कर हमारी पारिवारिक, सामाजिक, धार्मिक या राष्ट्रीय उन्नति की कोई भी योजना कभी सफल नहीं हो सकती। जनता और नेताओं को यह बात भलीभांति समझनी होगी। जो नेता भ्रष्टाचार करके अपना भरते हैं, वे अपनी अनेक पीढ़ियों के लिए दुःखों का इंतजाम करते हैं। बेइमानी का पैसा एक दिन सब कुछ डुबो देता है।

|| जव महावीर || || जव जयनरालाय नमः || || जव गुरु पारस || || जव गुरु पद्म ||

बेंगलूरु नगरी की धन्यधरा पर

आज

बड़ी दीक्षा महोत्सव

राकल श्री संघ को भावभरा आमंत्रण

जयगोष्ठाधिपति संघ सुमेरु, व्याख्यान वाचस्पति, उग्र विहारी, वचन सिद्ध साधक, आशुकि, अनुशासन प्रेमी, बारहवें पट्टधर

आचार्य पदर 1008 पूज्य श्री पार्श्वचंद्रजी म.सा., एर. एस. जैन रागणी मार्ग के प्रारम्भकर्ता, बारह व्रतों के प्रवल प्रेरक, अनुपेक्ष्य ध्यान प्रणेता, युगमंजीपी, प्रवचन प्रभावक डॉ. श्री पदमचंद्रजी म.सा. आदि ठाणा के पावन सान्निध्य में नवदीक्षित श्री जयरांयतमुनिजी म.सा.

की बड़ी दीक्षा श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, विरसनगार्डन, बेंगलूरु के तत्वावधान में संपन्न होगी।

कृपया इस पावन प्रसंग पर अधिक से अधिक संख्या में पधारकर जिनशासन की शोभा में अभिवृद्धि करें एवं संयम अनुमोदना का ताम तिरावें।

ज्येष्ठ वदी पंचमी, गुरुवार दिनांक 7 मई 2026

बड़ी दीक्षा महोत्सव : प्रातः 9:30 बजे से

महोत्सव स्थल

गणेशनाम जैन स्थानक, गंगवान महावीर रोड, शिवाजीनगर, बेंगलूरु

कृपया कार्यक्रम के पश्चात् अतिथि सत्कार का अवसर प्रदान कर श्री संघ को अनुमति करें।

जिवेदक

श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, विरसनगार्डन, बेंगलूरु

वेदरमेन : मित्रतातल मण्डपा अध्यक्ष : नेमौमंद मंसाती मंत्री : राजनन होहरा समस्त पदाधिकारी

93412 20042 98486 82424 98467 25997 ए संरक्षण

राहयोगी

विरसनगार्डन जैन युवा संगठन

राजुल महिला मंडल, विरसनगार्डन

प्रेरणा बहु मंडल, विरसनगार्डन

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , 1st floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasadur Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekanth Parashar, (Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/RNI No. 58061/93.